सीमा जागरण मंच

सुरक्षा • समन्वय • विकास

• दिल्ली •

सुरक्षित सीमा - समर्थ भारत

मंथन

एक संकल्पना

भारत के प्रथम गाँवों के समग्र विकास के लिए
सामाजिक सकारात्मक अभियान

मार्गदर्शिका

मन्तव्य

विकसित सीमा; समर्थ भारत

सीमा जागरण मंच सीमावर्ती एवं तटीय गांवों के बहुमुखी विकास के लिए कृतसंकल्प है। इस राष्ट्रार्पित पुनीत कार्य में गैर–सरकारी संगठनों के समर्पित सहयोग के लिए हम आकांक्षी हैं।

सामूहिक प्रयास; सतत विकास

हमारा दृष्टिकोण

सीमा जागरण मंच का जीवंत विमर्श कार्यक्रम है – मंथन। वस्तुतः मंथन एक अभियान है; सीमावर्ती गांवों के नव विहान का । इसके माध्यम से गैर सरकारी और अर्द्धसरकारी संगठनों के साथ मिलकर सीमा जागरण मंच एक नवोन्मेषी राष्ट्रव्यापी प्रयास कर रहा है। यह सभी संस्थाओं को सीमा के प्रथम गांवों के विकास के लिए एक मंच प्रदान करता है। हम सब जानते हैं कि देश की परिधि पर खड़ी चुनौतियों को परास्त करने का अचूक उपाय हैं– सीमाओं पर स्थित गांवों–समुदायों का सशक्तिकरण ; अर्थात् आधारभूत ढांचे से लेकर आत्मबल तक को सबल बनाना।

ध्यातव्य हैः सबल–सक्षम सीमान्त गांव ही देश का सुरक्षा–कवच बन जाते हैं।

उद्देश्य एवं कार्य क्षेत्र

समग्र ग्राम विकास की हमारी परिकल्पना –– स्वावलम्बी एवं जीवंत गांव खड़े करना। सीमावर्ती गांव के पलायन को रोकने के साथ साथ ग्राम–वापसी का भाव–वातावरण बनाना।

शिक्षा

1–राष्ट्र–गौरव के भाव को जगाना जैसे–भारत को जानों सामान्य ज्ञान परीक्षा करवाना
2–वर्तमान विद्यालय में बुनियादी सुविधाओं में आवश्यक सहयोग करना जैसे कि कक्षाओं की मरम्मत, स्मार्ट क्लास, शौचालय की व्यवस्था, स्वच्छ जल व्यवस्था, खेलकूद सामग्री, कंप्यूटर, लैब आदि।
3–नैतिक एवं स्वरोजगार की शिक्षा को व्यवहार में लाने के लिए नवीन प्रयोग करना।
4–राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के प्रभावी क्रियान्वयन में सहयोग देना।
5–विद्यालय नहीं है तो विद्यालय भवन की व्यवस्था करवाना।
6–खेल–कूद को प्रोत्साहन जैसे खेल सामग्री एवं प्रशिक्षण की व्यवस्था में सहयोग।
7–मेधावी छात्रों का उच्च शिक्षा एवं प्रतियोगिता परीक्षा के लिए चयन कर उन्हें अपेक्षित सहयोग करना।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य

1–सरकारी / गैर सरकारी प्राथमिक चिकित्सा सुविधा को व्यवस्थित करना।
2–जन औषधि केन्द्र की व्यवस्था करना एवं उसकी जानकारी देना।
3–मानव से मवेशी तक के लिए सरकार और समाज के सहयोग से आधुनिक चिकित्सा तंत्र विकसित करना।
4–स्वास्थ्य जन जागरण कार्यक्रम करना (चिकित्सा एवं योग–व्यायाम शिविर)
5–पारम्परिक चिकित्सा का संरक्षण व संवर्धन करना। (आयुष चिकित्सा पद्धति का प्रसार)
6–स्वास्थ्य जन कल्याण योजना का ग्रामवासियों में जनजागरण के साथ प्रभावी क्रियान्वयन। (कुपोषण मुक्त ग्राम पर कार्य, आयुष्मान भारत कार्ड पर कार्य)
7–महिला व किशोरी स्वास्थ्य आधारित जन कल्याण योजना पर विशेष जागरण एवं क्रियान्वयन पर ध्यान देना।

उद्देश्य एवं कार्य क्षेत्र

स्वावलम्बन व स्वरोजगार

1–स्थानीय पारम्परिक जीविकोपार्जन, व्यवसाय और उद्योग–धंधों को प्रतिष्ठा–प्रोत्साहन देकर लोकल को वोकल करना।
2–कौशल विकास शिविर लगाना एवं कैरियर/आजीविका परामर्श।
3–प्राकृतिक खेती व पशुपालन का गुणात्मक संवर्धन ।.
4–गांव के लोगों को बड़े उद्योगों धंधों के पूरक बनाना एवं अनुषंगी उत्पादन की इकाई स्थापित करना। जैसे प्राथमिक प्रसंस्करण ।
5–स्वयं सहायता समूह योजना का प्रभावी क्रियान्वयन।
6–लोक कला–गीत–परम्परा संस्कृति और ग्रामीण पर्यटन आधारित स्वरोजगार को प्रोत्साहन जैसे होम स्टे आदि।
7–सहकारिता आधारित व्यवसाय को प्रोत्साहन।

पर्यावरण

1–पेड़ लगाना,पानी बचाना और प्लास्टिक हटाना
2–भूजल संरक्षण एवं संवर्धन
3–नदी तालाब एवं समुद्र की स्वच्छता के लिए कार्य करना

सामूहिक ग्राम उपयोगी कार्य

1–सामूहिक सामाजिक ग्राम उपयोगी कार्य योजना बनाना जैसे स्वच्छ ग्राम, जीवंत जल स्रोत,जंगल एवं चरागाह संरक्षण, गौ संरक्षण
2–वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत को बढ़ावा
3–श्रद्धा केंद्र को व्यवस्थित एवं प्रेरक बनाना
4–पुस्तकालय एवं संग्रहालय का विकास
5–सामाजिक एकात्मता के लिए कार्य करना

विशेष कार्यक्रम

1–आदर्श डिजिटल व्यवहार का प्रशिक्षण
2–आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

कार्य पद्धति

एनजीओ के सहयोग से मंथन कार्यक्रम के उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से प्राप्त करने के लिए निम्नलिखित 9 चरणों का पालन किया जाएगा

कार्य विस्तार
सफलता की कहानी समाज के साथ साझा करके अपने जैसे कार्य करने वाली अन्य संस्थाओं के लिए उत्प्रेरक बनना ताकि कार्य का विस्तार अन्य भौगोलिक क्षेत्रों में हो सके। 9

कार्य–अनुभव एवं सीख
किये जाने वाले कार्यों के परिणामस्वरूप विकास की सफल कहानियों से सीखना। सभी गतिविधियों का चित्र एवं वीडियो सहित लिखित रिपोर्ट तैयार करना। 8

समीक्षा
चलते हुए कार्य की समीक्षा व मूल्यांकन करना और तद्नुसार कार्य योजना में आवश्यक संशोधन करना। 7

योजना क्रियान्वयन
कार्य योजना क्रियान्वयन के लिए आवश्यक संसाधनों को जुटाकर गाँव में कार्य प्रारम्भ करना। 6

1 **टीम का गठन**

मंथन कार्य को क्रियान्वयन करने वाली कोर टीम बनाकर उनका प्रशिक्षण करना।

2 **संस्था की पहचान**

स्वयंसेवी संस्था की पहचान करना एवं उसमें निर्णय करने वाले पदाधिकारियों से सम्पर्क–संवाद स्थापित करना।

3 **समन्वय एवं सम्बन्ध**

योजना में सहभागिता के लिए चयनित संस्थाओं से सहयोग, सम्बन्ध एवं समन्वय बनाना एवं कार्य करने वाली एक साझा टीम बनाना।

4 **जमीनी सर्वेक्षण**

ग्राम का जमीनी सर्वेक्षण करके वहां के सामाजिक, आधारभूत सुविधाओं एवं संसाधनों की जानकारी संग्रहित करना।

5 **कार्य योजना**

जमीनी सर्वेक्षण के आधार पर गांव में किये जाने वाले विकास कार्यों की योजना बनाना।

प्रमुख सिद्धांत

मंथन की संपूर्ण परिकल्पना को व्यवहार में लाने के लिए हमारे कार्यकर्ताओं और संस्थानों को निम्न प्रमुख सिद्धांतों को व्यवहार में लाने की आवश्यकता है:

सर्वसमाज सहभागिता
ग्रामवासियों की सामूहिक सहभागिता से कार्य करना एवं करवाना।

सहयोग और समन्वय
संस्था, समाज एवं सरकार के साथ सहयोग समन्वय।

सांस्कृतिक संवेदनशीलता
स्थानीय परम्पराओं का संज्ञान एवं उनके सम्मान का विशेष ध्यान रखना।

अनुकूली प्रबंधन
कार्य के अनुसार योजना को एवं अपने आपको ढालना।

महिला सशक्तिकरण
कार्यक्रम के सभी पहलुओं में महिला सहभागिता सुनिश्चित करना

नैतिक आचरण
नैतिक आचरण–पारदर्शिता पूर्ण व्यवहार और कार्य के प्रति जवाबदेही।

सकारात्मक दृष्टिकोण
सभी कार्यों में संतुलित दृष्टिकोण रखते हुए सकारात्मक एवं स्थाई परिवर्तन।

स्थिरता
ग्रामवासी / स्थानीय लोग कार्य का दायित्व अपने ऊपर लेकर उसे निरन्तर करेंगे।

मंथन के प्रमुख सिद्धांतों में सभी 17 सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजी) की प्राप्ति में सहयोग देना भी है।

मंथन की अपेक्षाएं

निम्नलिखित हितधारकों के ज्ञान, विशेषज्ञता, अनुभव, संसाधनों और ऊर्जा का प्रभावी और प्रभावशाली सम्मिलन के प्रमुख बिन्दुः

स्वयंसेवी संगठन	✓ स्वयंसेवी गैरसरकारी संगठन प्रथम गांव के हित का संकल्प लें। ✓ सीमा जागरण मंच के साथ मिलकर किसी सीमावर्ती गांव का चयन करना ✓ प्रभावी एवं पारदर्शी भागीदारी पर डटे रहें। ✓ आगामी दशकों को ध्यान में रखकर नवोन्मेषी परिवर्तन पर बल दे।
परियोजना ग्रामवासी	✓ जिन प्रथम गांवों का चयन किसी भी संगठन ने किया है, वहाँ के लोग विकास कार्यों में पूरा सहयोग दें। ✓ अपना दायित्व बोध सुनिश्चित करें।
सरकारी संगठन	✓ प्रथम गांव को आकांक्षी गाँव की श्रेणी प्रदान करें। ✓ सरकारी योजनाओं में सीमावर्ती गाँवों के आधारभूत ढांचों और आवश्यकताओं को प्राथमिकता दें। ✓ सीएसआर राशि के आवंटन में सीमावर्ती प्रथम गांवों को जोडना अपरिहार्य करें। ✓ सरकारी योजनाओं को प्रथम गांव तक पहुँचाने की ठोस व्यवस्था करें।
सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम	✓ अपने सीएसआर फंड में सीमावर्ती गांवों के लिए विशेष राशि का प्रावधान करें। ✓ सीमावर्ती गांवों की परियोजना को प्राथमिकता दें। ✓ मंथन अभियान से जुड़ें।
भारतवासी	✓ देश के नागरिक सीमावर्ती गांवों के अभ्युदय के प्रति संवेदनशील भी हों और सहयोगी भी। ✓ अपने भ्रमण कार्यक्रमों में सीमावर्ती गाँवों में भी जाएं और वहाँ से उनकी चर्चा सोशल मीडिया समूह में करें। ✓ सीमावर्ती गांव के उत्पादन को खरीदें व बढ़ावा दें।

मंथन से एनजीओ के जुड़ने की प्रक्रिया

सीमावर्ती गांवों में काम करने के लिए स्वयंसेवी संगठनों के सहयोग/जुड़ाव की प्रक्रिया को इस प्रकार रेखांकित किया जा सकता है

आमंत्रण	स्वयंसेवी संगठनों को उनकी योग्यता, अनुभव, और प्रस्तावित परियोजनाओं को सबमिट करने के लिए आमंत्रित करना, ताकि वे मंथन कार्यक्रम से जुड़ सकें। इच्छुक संगठन इस पुस्तिका के अंत में दिए गए पंजीकरण फॉर्म और ईमेल के माध्यम से स्वयं भी संपर्क कर सकते हैं।
मूल्यांकन	स्वयंसेवी संगठनों द्वारा दिए गए दस्तावेजों व जानकारी का मूल्यांकन करना। मूल्यांकन उनकी संगठनात्मक क्षमता, तकनीकी विशेषज्ञता, वित्तीय स्थिरता, और प्रस्तावित कार्ययोजना की उपयोगिता के आधार पर करना होगा।
चयन	सक्षम स्वयंसेवी संगठनों का एक पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से चयन करना। चयन करते समय मूल्यांकन–चरण में दिए गए सभी बिंदुओं को ध्यान में रखना।
औपचारिक समझौता	चयनित स्वयंसेवी संगठनों के साथ मेमोरंडम ऑफ़ अंडरस्टैंडिंग (MOU) के माध्यम से औपचारिक समझौता करना। समझौता ज्ञापन में सभी की भूमिका, जिम्मेदारियों, अपेक्षाओं और निर्णय लेने के तरीकों को स्पष्ट करना।
अभिवादन कार्यशाला	मंथन और सीमा जागरण मंच के लक्ष्य और मिशन, परियोजना ग्राम की स्थानीय परिस्थिति, सांस्कृतिक संवेदनशीलता, उद्देश्य आदि के संबंध में स्वयंसेवी संगठनों को परिचित कराने के लिए अभिवादन सत्र आयोजित करना। अन्य प्रासंगिक विषयों को भी अभिवादन कार्यशाला में शामिल किया जा सकता है।
क्षमता–वृद्धि	चयनित स्वयंसेवी संगठनों की क्षमता वृद्धि के लिए आवश्यकतानुसार सहयोग करना । इसमें प्रशिक्षण, तकनीकी सहायता, संसाधन और नेटवर्क की व्यवस्था सम्मिलित है।
कार्यान्वयन	संगठनों द्वारा अपने चयनित सीमावर्ती गाँव में अपनी परियोजना का क्रियान्वयन प्रारम्भ करना। सभी हितधारकों के बीच नियमित संचार, समन्वय, और सहयोग सुनिश्चित करना।
पर्यवेक्षण	परियोजना का निरंतर पर्यवेक्षण करना। स्वयंसेवी संगठनों का नियमित मूल्यांकन करके उनकी जवाबदेही सुनिश्चित करना।
समीक्षा	स्वयंसेवी संगठनों की उपलब्धियों, चुनौतियों और सीख की समीक्षा करना। अनुकूलन, नवाचार और कार्य विस्तार के अवसरों की पहचान करने के लिए नियमित समीक्षा सत्र आयोजित करना।

सीमा जागरण मंच

सुरक्षा • समन्वय • विकास

• दिल्ली •

सुरक्षित सीमा - समर्थ भारत

Manthan

A Social Positive Campaign for Holistic Development of First Villages of Bharat

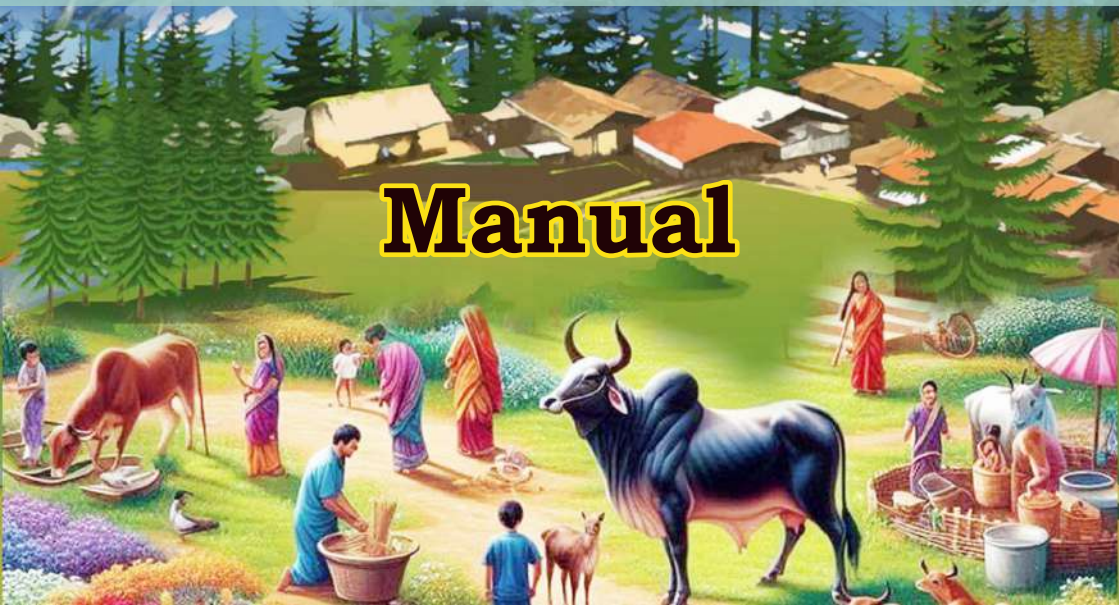

Manual

Purpose

Developed Border; Samarth Bharat

Seema Jagran Manch is determined for the multifaceted development of border and coastal villages. We are aspiring for the dedicated cooperation of non-governmental organizations in this work devoted to Nation building.

Collective Action; Sustainable Development

Perspective

‘Manthan' is a dynamic initiative by the Seema Jagran Manch. As a campaign focused on revitalizing border villages, Manthan represents a nationwide effort in collaboration with various non-governmental and semi-governmental organizations. This program aims to empower border communities by enhancing infrastructure and promoting self-reliance, thereby addressing challenges at the country's borders. Strong and capable border villages are essential for national security, serving as a protective shield for the nation.

Objectives & Scope of Work

Our vision for holistic village development is to establish self-reliant and vibrant villages. Along with preventing the migration from border villages, creating an environment for reverse migration to villages is our major objective.

Education

1. Igniting the spirit of national pride such as conducting general knowledge competitions on “Know About Bharat” etc.
2. Providing necessary support in developing basic facilities in existing schools.
3. Introducing innovative practices to incorporate moral and vocational education into the curriculum.
4. Collaborating for the effective implementation of the National Service Scheme (NSS).
5. Arranging for the establishment of schools where they don't exist.
6. Supporting sports activities like providing sports equipment and training.
7. Selecting and supporting meritorious students for higher education and competitive exams.

Healthcare

1. Properly organizing existing primary healthcare facilities.
2. Arranging for and providing information about “Jan Aushadhi Kendras”.
3. Developing modern medical facilities for humans as well as animals.
4. Conducting health awareness programs/camps.
5. Conservation and promotion of traditional healthcare system (Ayush).
6. Effective implementation of the health-related public welfare scheme along with public awareness among villagers (work on malnutrition free villages and Ayushman Bharat cards).
7. Special emphasis on awareness and implementation of women and adolescent girls related public welfare health-schemes.

Objectives & Scope of Work

Self-employment and Entrepreneurship

1. Encouraging and empowering local traditional livelihoods, businesses, and industries.
2. Organizing skill development workshops and career or livelihood related counselling sessions.
3. Progressive & qualitative propagation of natural farming and animal husbandry.
4. Empowering village people to supplement big industries as ancillary units and establish cottage industries, such as primary processing units.
5. Effective implementation of self-help-group (SHG) schemes.
6. Encouraging self-employment based on local art, music, tradition, and rural tourism, such as home stays etc.
7. Encouraging & promoting cooperative-based businesses.

Environment

1. Afforestation
2. Water bodies upkeep & conservation
3. Plastic free environment
4. Working for ground water conservation & re-charging,
5. Campaign and action plan for Clean rivers-lakes-seas.

Community Social Work

1. Planning initiatives like clean village, clean & vibrant water sources, forest and pasture conservation, cow protection etc.
2. Promoting alternative energy sources
3. Establishing organized worship-places
4. Developing libraries and museums
5. Working for social unity.

Special Programs

1. Awareness in responsible digital behaviour.
2. Disaster management.

Work Methodology

To effectively achieve the objectives of Manthan program with NGOs' collaboration, following 9 steps shall be followed:

Work Expansion
Sharing success stories with the society and organisations to inspire other organizations to undertake similar work, enabling the expansion of activities to other geographical areas.

9

Learning from Experience
Learning from success stories of development work resulting from implementation of projects. Preparing written reports including images and videos of all activities.

8

Review
Regularly reviewing and evaluating ongoing activities and making necessary adjustments to the action plan accordingly.

7

Plan Implementation
Acquiring necessary resources for implementing the action plan and initiating development work in the village.

6

1

Team Formation

Forming a core team responsible for implementing Manthan's activities and capacity building training of the team.

2

Organization Identification

Identifying NGOs & voluntary organizations and establishing dialogue-contact with decision-makers within those organisations.

3

Coordination and Association

Collaborating and establishing formal association with shortlisted organizations for participation in the Manthan Program. Forming a common team incorporating NGO and Manthan core team for implementation of the programs.

4

Ground Survey

To collect data on social, basic facilities and resources by conducting ground level or baseline survey of the village to assess the needs and required interventions.

5

Action Plan

Creating an action plan for development activities in the village based on the ground or baseline survey.

Key Principles

In addition to the core components, the successful collaboration with NGOs to work in border villages requires attention to several key principles and considerations:

Community Participation
Working with and through the collective participation of villagers.

Collaboration and Coordination
Collaboration with Organizations, Society and Government.

Cultural Sensitivity
Especially recognizing and respecting local traditions.

Adaptive Management
Adapting plans and oneself according to the work.

Women Empowerment
Promote women empowerment in all aspects of program.

Ethical Conduct
Ethical conduct, transparency, and accountability towards work.

Equilibrium Approach
Positive and sustainable change with balanced approach in all activities.

Sustainability
Villagers/local people must take ownership of the work and continue it sustainably.

Key Principles of Manthan is also to achieve the attainment of all 17 Sustainable Development Goals (SDGs)

Expectations of Manthan Program

Effective and impactful convergence of knowledge, expertise, experience, resources and zeal of following stakeholders:

Voluntary Organizations	✓ Commit to the welfare of the first villages. ✓ Choose a bordering village in collaboration with the Seema Jagran Manch for development activities. ✓ Maintain effective and transparent partnership. ✓ Contribute to innovative developmental changes keeping the upcoming decades in mind.
Project Village Residents	✓ Residents of selected villages should fully support development work. ✓ Ensure their participation and ownership.
Government Organization	✓ Designate the first village as an aspirational village. ✓ Give priority to the basic infrastructure and needs of border villages in government schemes. ✓ Dedicated allocation of Corporate Social Responsibility (CSR) funds for border first villages. ✓ Establish effective arrangements for implementation of government services to the first villages.
Public Sector Undertakings	✓ Provide special provision or allocation in CSR funds for the development of border villages. ✓ Prioritize approval of CSR projects for border villages. ✓ Effectively engage with the "Manthan" program.
Indian Citizens	✓ Citizens should be both sensitive to and supportive for the development of border villages. ✓ Include visits to border villages in travel itineraries and share stories on social media groups. ✓ Purchase products from border villages and promote them.

Process of NGO Engagement with Manthan

The process of NGOs' collaboration to work in border villages has been outlined as follows:

Invitation	Inviting NGOs to submit their qualifications, experience and proposed projects to get associated with Manthan program. (Interested NGOs may also submit their expressions of interest (EOIs) directly to Manthan Team through registration form & email given at the end of this booklet).
Evaluation	Evaluation of documents or EOIs submitted by NGOs based on their organizational capacity, technical expertise, financial stability, and alignment of their proposed project with the needs and priorities of border villages.
Shortlisting	Shortlisting of suitable partner NGOs through a transparent process, considering all factors as outlined in Evaluation step.
Partnership	Form formal partnership with shortlisted NGOs through memoranda of understanding (MoUs) or collaboration agreements. In the MOU clarify roles, responsibilities, expectations as well as mechanisms for communication, coordination, and decision-making.
Orientation	Conducting orientation sessions to familiarize NGOs with the vision & mission of Manthan & Seema Jagran Manch, local context of project area, cultural sensitivities, objectives and relationship building with key stakeholders. Other relevant topics may also be included in orientation workshop.
Capacity Building	Provide capacity-building support to partner NGOs through training, technical assistance and access to resources and networks based on their project proposals and local needs.
Execution	Launch joint activities and initiatives in accordance with project plans and timelines. Ensure regular communication, coordination, and collaboration among all stakeholders.
Monitoring	Implement continuous project monitoring mechanisms, data collection and assessment of the ongoing project. Facilitate regular reviews and evaluations of NGO to track their performance, identify challenges and promote accountability.
Review, Reflection	Conduct regular sessions with NGOs to review achievements, challenges and lessons learned. Outcome of these sessions should be to identify opportunities for adaptation, innovation, and scaling up.

मंथन कार्यक्रम हेतु स्वयंसेवी संस्थाओ की जानकारी का प्रपत्र
Information of NGO for Mathan Program
(Format: Manthan/001)

(1) संस्था का नाम
Name of Organization:

(2) मुख्यालय पता, संपर्क
Head office – address, contact, website:

Contact Person	
Designation	
Address	
Mobile	
Email Address	
Websites	
Facebook	
Youtube	

(3) पंजीकरण संख्या / Registration No.

Act/s registered under	
Registration No	
Date of Registration	
Registered State & District	
Validity date	
PAN No.	
12AA	
80G	
Darpan #	
CSR-1 Regn No of ROC	

(4) मंथन कार्यक्रम के लिए मुख्य संपर्क
Main contact for Manthan Program

Contact Person	
Designation	
Address	
Mobile	
Email Address	

(5) गत तीन वर्षों की संस्था की आय–व्यय पत्रक जानकारी
Last three years income -expenditure of organization

Year	Income	Expenditure	Audit completed Y/N	ITR filed – Y/N

(6) क्या संस्था के तीन वर्षों के वार्षिक प्रतिवेदन उपलब्ध हैं ?
Do you have last three year's annual reports?

(7) कार्य के मुख्य विषय
Main focus areas

Sr. No.	Main Focus Area / dk;l dh e[; fo"k;

(8) पिछले 5 वर्षों मे पूरे किए प्रमुख प्रोजेक्ट
Major Projects completed in last 5 years

Sr. No.	Name of Project	Name of Funding agencies	Area covered (Number of villages)	Participant families / individuals in projects	Total Budget of Project

(9) संस्था के पास उपलब्ध तकनीकी विशेषज्ञों की जानकारी
Information of technical human resource available with organization

Sr#	Name	Qualification/Experience

(10) क्या संस्था ने सरकारों के साथ कुछ प्रोजेक्ट किए है? सूची दीजिए.
Did the organization implement any project supported by Govt? Give List.

(11) आपके क्रेडेंशियल्स के बारे में कोई अन्य जानकारी.
Any other Information about your credentials.

संकल्प

विकसित सीमाएँ सुरक्षित भारत का ध्वजधारण करती हैं। इसलिए मैं ..... (आपका नाम) अपने स्वयंसेवी संगठन ..... (आपके संगठन का नाम) की ओर से दृढ़ संकल्प लेता/लेती हूँ कि अपने सीमावर्ती किसी एक या एक से अधिक प्रथम गाँव के बहुमुखी विकास के लिए चहुमुखी साकारात्मक प्रयास करता/करती रहूँगा/रहूँगी।

विकसित सीमा : सुरक्षित भारत

SANKALP

Developed borders hold the flag of a secured Bharat. Thus, I..... (Your name) on behalf of my voluntary organization ..... (Name of your organization) take a firm pledge that I will continue to make all-round positive efforts for the holistic development of one or more villages of border area.

Developed Border : Secured Bharat

सीमा जागरण मंच- एक परिचय

सीमा जागरण मंच देश की कुल स्थलीय सीमा 15200 किलोमीटर एवं समुद्री तटीय सीमा 11098 किलोमीटर के सभी सीमावर्ती गांवों के नागरिकों को सीमा–सुरक्षा एवं विकास के प्रति जागृत, देशभक्तिमय, कर्तव्यनिष्ठ एवं संगठित करने के लिए कृतसंकल्प है। मंच का मानना है कि बिना सीमावर्ती क्षेत्रों के विकास के यह कार्य अधूरा है।

इस दिशा में सीमा जागरण मंच 1985 से कार्यरत है। देश के सभी सीमान्त प्रदेशों में मंच अपने कार्य–उद्देश्य की पूर्ति के लिए अनेक गतिविधियां करता है। उनमें मंथन कार्यक्रम एक अभिनव प्रयास है।

सीमा जागरण मंच के कार्य निम्न छह प्रकार की गतिविधियों पर केंद्रित हैं:

सीमा जागरण मंच- एक परिचय

सीमा जागरण मंच की संगठनात्मक संरचना

सीमा जागरण मंच की कार्यप्रणाली और गतिविधियाँ:

1. ग्राम, खंड, जिला और राज्य स्तर पर कार्यकर्ता टोलियों का गठन; प्रशिक्षण शिविरों और कार्यक्रमों का आयोजन
2. सीमा सुरक्षा बलों के साथ रक्षाबंधन एवं दीपावली मनाना, भारत माता पूजन कार्यक्रम, विजयादशमी, शक्ति पूजन
3. सीमान्त समाज में सीमा सुरक्षा विषयक जन–जागरण हेतु विचार गोष्ठियों तथा प्रबुद्ध नागरिक सम्मेलनों का आयोजन यथा सीमा संवाद और सीमा विमर्श
4. समुद्र तटीय क्षेत्रों में मत्स्य, समुद्र, व्यास पूजन और नौका स्पर्धा जैसे कार्यक्रम
5. देश में कार्यरत विभिन्न एनजीओ की सहायता एवं सहयोग से सीमावर्ती क्षेत्र में अभावग्रस्त समाज एवं परिवारों के लिए सामूहिक सेवा कार्य
6. सीमाओं के प्रति एकात्म भाव और संवेदनशीलता का भाव निर्माण करने के लिए सीमा–दर्शन कार्यक्रम
7. सीमा जागरण मंच स्थापना दिवस (रामनवमी पर) समाज प्रबोधन के कार्यक्रम।
8. सीमावर्ती क्षेत्रों में सजीव परंपराओं के संवहन, विरासत स्थलों और भारतीय धरोहरों के पुनर्जीवन तथा रोजगार प्रदान करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन।
9. सीमावर्ती क्षेत्र की स्थानीय जनसंख्या का किसी प्रकार के अभाव के कारण पलायन न हो, उनकी आधुनिक सुविधाओं के प्रति सरकारी तंत्र का उस ओर ध्यान आकर्षित करने हेतु कार्यक्रमों का आयोजन।
10. राज्य एवं केंद्र सरकार की विभिन्न इकाइयों एवं प्रतिनिधियों के साथ विशेष संपर्क करके सीमांत क्षेत्र की चुनौतियों के समाधान हेतु संवाद स्थापित करना।

Seema Jagran Manch, Sewa Vibhag, Delhi

President	Lt. Gen. Nitin Kohli (Retd.)
General Secretary	Dr. Deep Narayan Pandey Astt. Professor, JNU
Sewa Pramukh	Dr.(CA) Vijay Kumar Chaudhary NBCC
Coordinator	Dr. Amit Agarwal ICAI

A-161, Surajmal Vihar, Delhi-110092
Email : manthansjm@gmail.com

Design, Compilation & Editing
Dr. P. Harsha Bhargavi
Saurabh Gautam